अपने अस्लाफ को बुरा भला कहेंगे

हज़रत मुफ्ती अहमद खानपुरी दब.

महमुदुल मवाइज़ उर्दु से रिवायत का खुलासा लिप्यान्तर किया गया है.

बिस्मिल्लाहिर्रहमानिर्रहिम

अस्लाफ की बुराई करना भी अज़ाब को दावत देने वाला है

इस उम्मत के बाद मे आने लोग अगले लोगो को बुरा भला केहने लगेन्गे लानत मलामत करेंगे उनकी शान मे गुस्ताखीया करेंगे उनको गाली गलुच करेंगे ये सिलसिला बहुत पेहले से शुरू हो चूका है शीया और रवाफिज़ के यहा हज़राते सहाबा (रदी) को मुस्तकिल ताना तशनी और गाली गलुच का निशाना बनाया जाता है बल्के उनके अकाइद की बुनीयाद ही उसपर है मे उनके कुछ अकाइद मुख्तसर अंदाज़ मे उनकी किताबो से पेश करता हु कयू के तफसील का वकत नही है.

हज़राते सहाबा के बारे मे शीयाओ की ज़हनीयत

शीया अपने अकाइद अपनी किताबो मे बयान करते है उसमे ये है के हम चार बुतो से अपनी पाकीज़गी जाहिर करते है ये चार बुत से कौन मुराद है?

नउज़ुबिल्लाह (1 हजरत अबू बकर रदी), (2 हजरत उमर रदी), (3 हजरत उस्मान रदी), (4 हजरत मुआविया रदी), और चार औरतो से अपनी बरात जाहिर करते है: नउज़ुबिल्लाह, (1 हजरत आयशा रदी), (2 हजरत हफसा रदी), (3 हजरत हिन्दा रदी), (4 हजरत उम्मे अरकम रदी) और वो तमाम जो उनके मानने वाले है ये उनका अकीदा है के रूऍ ज़मीन पर ये बदतरीन मख्लूक है सारी मख्लूक मे बदतरीन है, नउज़ुबिल्लाह कुफ्र को नकल करना कुफ्र नही होता ये कितना खतरनाक किता घटीया अकीदा है दूसरे अकाइद तो बहुत गन्धे है ये तो सिर्फ सहाबा से मुताल्लीक है सब नही आप के सामने उनके दो चार अकाइद ही पेश कर रहा हु वो केहते है के जब तक आदमी उन चारो बुतो से अपनी बराअत का इज़हार नही करेगा उस वकत तक उसका इमान मोअतबर नही होगा.

शीयो ने अल्लाह को भी नही बख्शा

अल्लाह के बारे मे भी उनके बुरे अकाइद है वो केहते है के अल्लाह ने वही तो हजरत अली (रदी) पर भेजी थी हजरत जिब्रइल (अल) रसूलुल्लाहﷺ के पास गलती से लाते रहे नउज़ुबिल्लाह 23 साल तक अल्लाह को पता नही चला के मे जहा जिब्रइल के जरिया वही भेज रहा हु वो जिब्रइल तो हजरत अली (रदी) के बजाये

रसूलुल्लाहﷺ को पोहचा रहे है अल्लाह के मुताल्लीक रसूलुल्लाहﷺ और हजरत जिब्रइल (अल) के मुताल्लीक उनका ये अकीदा कित्ना खतरनाक है.

जिब्रइल (अल) की अमानत और बेमिसाल कुव्वत

बल्के हजरत जिब्रइल (अल) की अमानत और ताकत को (सू. तकवीर 19, 21) मे ये केह कर बयान किया गया के ये कुरान एक ऐसे फरिश्ते के जरिया से पोहचाया जा रहा है जो बडा शरीफ बडा बाइज़्ज़त है बडा कुव्वत वाला है.

हजरत जिब्रइल (अल) की कुव्वत का ये आलम के कौमे लूत की बस्तीयो को जब अल्लाह ने हलाक करना चाहा तो पूरी बस्तीयो को एक पर उपर उठा करके आस्मान की तरफ ले गये आसमान वालो ने उस बस्ती के जानवरो की आवाज़े सुनी और फिर उनको उलट दिया हजरत जिब्रइल (अल) के ऐसे 600 पर है रिवायतो मे आता है के हजरत जिब्रइल (अल) अगर अपने दो पर फेला दे तो सारी दुन्या को ढांप दे ये हाल है उनकी कुव्वत का अर्श वाले के यहा बडे बाइज़्ज़त है बा-रोब मकाम और मंज़ीलत वाले है और आसमान वालो मे फरिश्तो मे उनकी बात मानी जाती है इतात की जाती है और अमानतदार है अब उनके उपर ये लोग इल्ज़ाम लगा

रहे है.

मेरे सहाबा को बुरा भला मत कहो

रसूलुल्लाहﷺ का इरशाद है के जब तुम उन लोगो को देखो जो मेरे सहाबा को बुरा भला केहते है तो कहो के अल्लाह की लानत हो तुम्हारे शर के उपर ऐसे लोगो के मुंह पर उनके सामने कहो रसूलुल्लाहﷺ फरमाते है के मेरे सहाबा को बुरा भला मत कहो तुम मेसे एक आदमी अगर उहद पहाड के बराबर सोना खर्च करे तो वो मेरे सहाबी के एक मुठ या आधे मुठ खर्च करने के भी बराबर नही हो सकता.

अन्दाज़ा लगाये सहाबा ने जो दो रकाते रसूलुल्लाहﷺ की इकतेदा मे पढली सारी उम्मत की नमाजे उन दो रकातो का मुकाबला नही कर सकती सहाबा ने जो सदका और खैरात रसूलुल्लाहﷺ की खिदमत मे पेश किया और रसूलुल्लाहﷺ ने उसको कबूल कर लिया तो सारी उम्मत का सदका और खैरात उसका मुकाबला नही कर सकता.

अस्लाफ के बारे मे शम्सुद्दीन सल्फी का खराब ज़हन

उन सहाबा को ये लोग निशाने तनकीद बनाते है और आज ऐसे और भी लोग पैदा होते जा रहे है जो अस्लाफ को सहाबा को और उनके अलावा अकाबिर को बुर्ज़ुगो को बुरा भला केहते है आज

एक जमात खूद को सलफी केहती है और वो ऐसी ऐसी गुस्ताखीया अस्लाफ की शान मे करते है एक किताब शाये हुई है जिसमे वो लिखते है शम्सुद्दीन सलफी जिसको मदीना university से phd का certificate दिया गया उसने अपनी किताब मे ऐसी ऐसी खतरनाक बाते लिखी है के हम और आप उसका तसव्वूर भी नही कर सकते.

चार मज़ाहिब यानी ये जो चार इमाम है और उनको मानने वाले चाहे वो हन्फी हो या शाफी हो मालिकी हो हन्बली हो उन सब के बारे मे वो केहता है के ये सब कबर परस्त है बल्के उनके मुताल्लीक लिखा है के बदतरीन कबर परस्त और मुल्हदीन है और इमाम गजाली (रह) के मुताल्लीक वो लिखता है? के गजाली कबर परस्तो जहमीयो सुफीयो का अकेला हुज्जतुल इस्लाम है, मौलाना जलालुद्दीन रूमी (रह) जिन्की मसनवी है जो गोया फन्ने तसव्वूफ की बुनीयाद है उनके बारे मे किया लिखता है? सुफीया का इमाम हन्फी सुफी जहदतुल वुजुद का काइल और खुराफात बकने वाला ये हजरत मौलाना जलालुद्दीन रूमी (रह) के बारे मे केहता है.

हजरत ख्वाज़ा मुइनुद्दीन चीश्ती अजमेरी (रह) के मुताल्लीक

लिखता है के वो सुफीया का इमाम है और उसकी कबर की लोग हिन्दुस्तान मे पूजा करते है और शैख महयुद्दीन इबनुल अरबी (रह) जो बहुत बडे आलिम गुज़रे है उनके मुताल्लीक तो लिखा है नउज़ुबिल्लाह के वो ज़िनदिक और बेदीन बल्के एक जगा लिखा है शैखुल कुफ्र यानी काफिरो का शेख, नउज़ुबिल्लाह.

ये वो काम है जो ये उम्मत करेगी जिसकी अल्लाह के रसूलﷺ ने सख्त वइदे सुनायी है और बतलाया के ये कामो के करने पर अल्लाह की गैरत हरकत मे आती है यानी के अल्लाह का कहर बरसता है, जिसके नतीजे मे दुन्या पर मुसीबते और आफते आती है.

अन्दाज़ा लगाये ये चीझे हमारे अकाइद को कहा पोहचा रही है आज का मुसलमान इन सब बातो का खयाल ही नही करता और गोया अपने हाथो अपने पैरो पर कुल्हाडी मारता है.

ज़रूरत है के ऐसी चीझो से बचा जाये.

अल्लाह मेरी और आपकी इन सारे फितनो से हिफाज़त फरमाये.